

न्यूज डायरी

यूएस में गलगोटिया की टीम ने जीता प्रथम पुरस्कार



ग्रेटर नोएडा। गलगोटिया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी बीटेक (ईईईई) ब्रांच के अंतिम वर्ष के छात्रों ने ऑटोमेटिड डीसी ग्रिड के वास्तविक समय बैटरी प्रबंधन प्रणाली पर नियंत्रण करने के लिए डिजाइन ऑफ ग्रुप कंट्रोल बेस्ड रियल-टाइम बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम का आविष्कार किया। प्रोजेक्ट का मुख्य कार्य बैटरी का आवेश भविष्य के भार की आपूर्ति करने के लिए ऊर्जा (शेप-ऊर्जा) संग्रहित करना है। जिसे टीम ने अमेरिका के बाल्टीमोर मैरीलैंड शहर में आयोजित मेयरॉन जुकर अंडर ग्रेजुएट स्टूडेंट डिजाइन-2019 प्रतियोगिता में प्रस्तुत किया। जिसके लिए टीम को प्रथम पुरस्कार दिया गया। यह संयुक्त राज्य अमेरिका की परियोजनाओं के लिए दिए जाने वाले सबसे बड़े पुरस्कारों में से एक है। जिसमें प्रशस्ति पत्र और 1300 यूएस डॉलर के आने-जाने का किराया दिया जाता है। टीम के मेंटोर डॉ. कल्पना चौहान, डॉ. राजीव कुमार चौहान को विवि के चांसलर सुनील गलगोटिया ने ध्रुव गलगोटिया ने बधाई दी। ब्यूरो

गलगोटिया के छात्रों ने किया बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम का अविष्कार

ग्रेटर नोएडा, 6 जून, (देशाबन्धु)। गलगोटिया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी बीटेक (ईईईई) ब्रांच के अंतिम वर्ष के छात्रों ने ऑटोमेटिड डीसी ग्रिड के वास्तविक समय बैटरी प्रबंधन प्रणाली पर नियंत्रण करने के लिए डिजाइन ऑफ ड्रूप कंट्रोल बेस्ड रियल-टाइम बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम का आविष्कार किया गया। इस प्रोजेक्ट का मुख्य कार्य बैटरी का आवेश भविष्य के भार की आपूर्ति करने के लिए ऊर्जा संग्रहित करना है। यह परियोजना परियोजना बैटरी आधारित स्वयत् डीसी माइक्रोग्रिड के लिए एक बैटरी प्रबंधन प्रणाली प्रस्तुत



करती है। जो ड्रूप नियंत्रण के लिए एक पैरामीटर के रूप में स्टेट ऑफचार्ज (एसओसी) का उपयोग करके अनुकूलि ड्रूप कंट्रोल को नियोजित करती है। अगर किसी माइक्रोग्रिड में एक से अधिक बैटरियाँ लगी हैं। और एक बैटरी खराब होने पर सप्लाय का पूरा भार दूसरी बैटरी ही ले जाता है। और प्रोजेक्ट को लगातार पूर्ण सप्लाय नहीं मिल पाती है। लेकिन इस प्रोजेक्ट के प्रयोग करने से

डीसी माइक्रोग्रिड में ब्रेक डाउन और ऑवर लोड नहीं होगा। माइक्रोग्रिड फेलियर नहीं होगा। बल्टिडेट-हाई और लो नहीं होंगे उसमें स्थिरता बनी रहेगी। डीसी माइक्रोग्रिड की पावर बैलेंस रहेगी। यदि सोलर पैनल के साथ बैटरी लगी हो तो भ्रूप के सा होने पर भी पावर बैलेंस ही बनी रहेगी। इसको गुणवत्ता के लिए छात्रों ने एक प्रोटोटाइप हार्डवेयर डिजाइन तैयार किया है।

CMK

शाह टाइम्स

... कथौक जित रहंगा रास

शुक्रवादिनी, पृष्ठान्त 7 जून 2019

आइटीसी विद्यकल्प: श्रीलंक के सामने कलकत्ता की चुनौती

पहले ही दिन 'भारत' ने 42 करोड़ रुपये की कमाई की

शुक्रवादिनी अपनी मां के साथ बिलासना चाहती है ससुरा

शुक्रवादिनी, पृष्ठान्त 7 जून 2019

आइटीसी विद्यकल्प: श्रीलंक के सामने कलकत्ता की चुनौती

पहले ही दिन 'भारत' ने 42 करोड़ रुपये की कमाई की

शुक्रवादिनी अपनी मां के साथ बिलासना चाहती है ससुरा

गलगोटिया के छात्रों ने "डिजाइन ऑफ ड्रूप कंट्रोल बेस्ड रियल-टाइम बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम का किया आविष्कार

ग्रेटर नोएडा, 6 जून, (देशाबन्धु)। गलगोटिया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी बीटेक (ईईईई) ब्रांच के अंतिम वर्ष के छात्रों ने ऑटोमेटिड डीसी ग्रिड के वास्तविक समय बैटरी प्रबंधन प्रणाली पर नियंत्रण करने के लिए डिजाइन ऑफ ग्रुप कंट्रोल बेस्ड रियल-टाइम बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम का आविष्कार किया गया। इस प्रोजेक्ट का मुख्य कार्य बैटरी का आवेश भविष्य के भार की आपूर्ति करने के लिए ऊर्जा (शेप-ऊर्जा) संग्रहित करना है। जिसे टीम ने अमेरिका के बाल्टीमोर मैरीलैंड शहर में आयोजित मेयरॉन जुकर अंडर ग्रेजुएट स्टूडेंट डिजाइन-2019 प्रतियोगिता में प्रस्तुत किया। जिसके लिए टीम को प्रथम पुरस्कार दिया गया। यह संयुक्त राज्य अमेरिका की परियोजनाओं के लिए दिए जाने वाले सबसे बड़े पुरस्कारों में से एक है। जिसमें प्रशस्ति पत्र और 1300 यूएस डॉलर के आने-जाने का किराया दिया जाता है। टीम के मेंटोर डॉ. कल्पना चौहान, डॉ. राजीव कुमार चौहान को विवि के चांसलर सुनील गलगोटिया ने ध्रुव गलगोटिया ने बधाई दी। ब्यूरो

करती है। जो ड्रूप नियंत्रण के लिए एक पैरामीटर के रूप में स्टेट ऑफचार्ज (एसओसी) का उपयोग करके अनुकूलि ड्रूप कंट्रोल को नियोजित करती है। अगर किसी माइक्रोग्रिड में एक से अधिक बैटरियाँ लगी हैं। और एक बैटरी खराब होने पर सप्लाय का पूरा भार दूसरी बैटरी ही ले जाता है। और प्रोजेक्ट को लगातार पूर्ण सप्लाय नहीं मिल पाती है। लेकिन इस प्रोजेक्ट के प्रयोग करने से

डीसी माइक्रोग्रिड में ब्रेक डाउन और ऑवर लोड नहीं होगा। माइक्रोग्रिड फेलियर नहीं होगा। बल्टिडेट-हाई और लो नहीं होंगे उसमें स्थिरता बनी रहेगी। डीसी माइक्रोग्रिड की पावर बैलेंस रहेगी। यदि सोलर पैनल के साथ बैटरी लगी हो तो भ्रूप के सा होने पर भी पावर बैलेंस ही बनी रहेगी। इसको गुणवत्ता के लिए छात्रों ने एक प्रोटोटाइप हार्डवेयर डिजाइन तैयार किया है।

सूचना

रासनाधारण को सूचित किया जाता है, कि ध्याना ग्रेटर नोएडा पर दिनांक 12 जून 2019 को 17 बहानों की नौलामी की जाएगी। इच्छुक व्यक्ति: दिनांक 12 जून 2019 को प्रातः 8 बजे तक ध्याना ग्रेटर नोएडा पहुंचें।

बाजारभूट

बाजारभूट नोएडा गौतमबुद्धनगर